



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]
No. 17)

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 21, 1985/ माघ 1, 1906
NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 21, 1985/MAGHA 1, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 80-आई टी सी (पी एन)/84-85

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1985

विषय -- 410 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के
अन्तर्गत जापान से मछली पकड़ने के जाल बनाने
वाली मशीनों के आयात के लिए लाइसेन्सिंग शर्तें।

मि. स. आई पी सी/23(9)/84-85-- 1983-84 के
लिए 410 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत
जापान से मछली पकड़ने के जाल बनाने वाली मशीनों के
आयातों का नियन्त्रित करने वाली शर्तें जो प्रस्तुत सार्वजनिक
सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधि-
सूचित की जाती हैं।

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 80-
आई टी सी (पी एन) 1984-85
दिनांक 21-1-1985 के लिए परिशिष्ट

1983-84 के लिए 410 मिलियन येन की जापानी अनुदान
सहायता के अधीन भारत में पत्तनों के लिए उत्पादों के
परिवहन एवं उनके आन्तरिक परिवहनों के लिए
अपेक्षित मछली के जाल बनाने के उपस्कर और
मशीनरी एवं अन्य सेवाओं की खरीद के लिए
लाइसेन्सिंग शर्तें

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

(1) 1983-84 के लिए 410 मिलियन येन (लागत
और भाड़ा) की जापानी अनुदान सहायता का उद्देश्य भारत
के पत्तनों के लिए उत्पादों के परिवहन और कृषि तथा सह-
कारिता विभाग द्वारा उनके आन्तरिक परिवहनों के लिए
अपेक्षित मछली के जाल बनाने के उपस्कर और मशीनरी
एवं सेवाओं की खरीद के लिए और जापानी संभरकों को
भुगतान से है।

(2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर
410 मिलियन येन (लागत बीमा-भाड़ा) मूल्य से अधिक
के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक

शीर्षक "1983-84 के लिए 410 मिलियन येन जापानी अनुदान सहायता" होगा चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यक्ष के लिए लाइसेंस संकेत "एम/जे एन" होगा।

(3) इस अनुदान सहायता के अधीन उपकरण तथा सेवाएं केवल जापान/भारत से प्राप्त किए जाने चाहिए। अन्य आदेश केवल जापानी संस्करणों के लिए ही किए जाने चाहिए।

(4) आयात लाइसेंस 31-3-1985 तक की अवधि के साथ लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर जारी किया जाएगा।

(5) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक आफ इंडिया टोकियो का जापानी संस्करणों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होगी चाहिए। उसमें सुपुर्दगी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होगी चाहिए :-

"सुपुर्दगी 15-3-1985 तक पूर्ण की जानी है"।

(6) संविदा का मूल्य (केवल लागत तथा भाड़ा/जहाज पर निशुल्क मूल्य के आधार पर) येन में दर्शाया जाना चाहिए (येन की भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकर्ता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रुपये या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अविद्यमान नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत बीमा भाड़ा और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रदर्शित की जा सकती है, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के अतिरिक्त देय धनराशि होगी।

(7) अन्य संविदा जापानी येन में केवल जापानी राष्ट्रकों अथवा राष्ट्रकों द्वारा नियंत्रित जापानी न्यायिक व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए।

खण्ड-2 संरक्षण ठेकों में निम्नलिखित शर्त विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए :-

(1) 1983-84 के लिए 410 मिलियन येन की अनुदान सहायता से सम्बद्ध इस संविदा की व्यवस्था 30 नवम्बर, 1984 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

(2) विदेशी संस्करणों का भुगतान उस "भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र" (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1983-84 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई-दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

(3) जापानी संस्करण ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारतीय सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हो।

(4) जापानी संस्करण भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से पोतलदान की व्यवस्था करने का तैयार है और उसके लिए संबंधित माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम की भारतीय दूतावास, टोकियो का सूचना देगा और अपेक्षित पाल परिचालन के लिए छः सप्ताह पहले ही भारतीय दूतावास, टोकियो का अधिसूचित करवाएगा जिससे उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक यह चाहता हो, अधिसूचना की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक व्यौरे देते हुए प्रत्येक पोतलदान के बाद जापानी संस्करण को आयातक को केवल सूचना भेजने के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खंड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन

(1) जैसे ही आदेशों का अंतिम रूप दे दिए जाते हैं लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां या जापानी संस्करणों का भारतीय आयातक द्वारा दिए गए अन्य आदेश के साथ जापानी संस्करणों द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फांटों प्रतियों के साथ अनुबंध-1 के प्रपत्र में "ए/पी जारी करने के आवेदन" की दो प्रतियों सहित अवर सचिव (टी सी) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजी जाएगी। उपर्युक्त प्राप्ति संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

(2) वित्त मंत्रालय (डी ई ए) जापान अनुभाग 1983-84 के लिए 410 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्त दान देने के लिए संविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास टोकियो का भी भेजा जाएगा।

(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक का जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संस्करण को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को अनुबंध 2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत की

दूतावास टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया, टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और न्यायतः लेखा एवं लेखापरीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संरक्षक को अवगत कराएगा।

(5) पातलदान करने के बाद जापानी संरक्षक अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संरक्षक को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

(6) जापानी संरक्षक को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से सम्बद्ध बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषित करके निर्णीत किया जाएगा।

खण्ड-4 रुपया जमा करने का उत्तरदायित्व

(1) मूल विनियम पोतपरिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के सम्बन्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक जो अनुबंध 1 के (प) में उल्लिखित है, की शाखा होगी। उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम सैट केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही सम्बद्ध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संरक्षक को चुलाई गई धन धनराशि के बराबर रुपया सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और जिसे सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित किया गया था के अनुसार सरकारी लेखों में जमाकर दिया गया है। भुगतानों की ये धनराशि के बराबर रुपए की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मुद्रा विनियम की मिश्रित दर होगी या वह दर होगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस संबंध में कोई भी परिवर्तन जब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरदायित्व सम्बद्ध भारतीय बैंक का होगा कि आयात दस्तावेज आयातकों को मौपने से पहले देय धनराशि

सरकारी लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। लाइसेंस-धारी को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले ही देय धनराशि लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चय करने की आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी लेखों में ठीक से जमा करवा दी गई है जबकि उन्होंने विशेष परिस्थितियों में सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त की हो। उस मामले में जब आयातक सरकार को देय धनराशि माल छुड़वाने से पूर्व जमा करवाने में असमर्थ होता है तो उसे आगे ए/पी जारी करना रोक दिया जाएगा और मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को तथ्यों से अवगत करवाया जाएगा जिससे ऐसे आयातक को आगे कोई आयात लाइसेंस न जारी किया जाए। केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा किए गए आयातों के संबंध में किसी किस्म का ब्याज नहीं लिया जाएगा। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया जमा करना चाहिए वह “के-डिपोजिट्स एण्ड एडवान्सिज-843 सिविल डिपोजिट्स—डिपोजिट फॉर परचेजिंग एटमेट्रा एन्वाइ परचेजिंग अन्डर ग्रान्ट एंड फ्राम दि गवर्नमेंट आफ जापान” फार 1983-84 “ग्रान्ट फार परचेज आफ दि इक्विपमेंट एंड मशीनरी फार प्रोड्यूसिंग फिशिंग नेट्स एंड सर्वेसिंग नेसेसरी फार ट्रान्सपोर्टेशन आफ इक्विपमेंट टू पोर्ट इन इन्डिया बाई दि डिपार्टमेंट आफ एग्रीकल्चर एंड कोऑपरेशन” होगा।

(2) चालान के वाए कोने में कोड नं. 5130000009 दर्शाते हुए उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी दिल्ली में सरकार की साख में नकद जमा होनी चाहिए या यदि यह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसके उपसंगी किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (हुण्डी कर्ता) से प्राप्त एक हुण्डी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी शाखा दिल्ली-6 (हुण्डी ग्राह्य और प्रापक) में सार्वजनिक सूचना सं. 148-आईटीसी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-1968; सं. 233-आईटीसी (पी एन)/68 दिनांक 24-10-68 सं. 132-आईटीसी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-71 सं. 74-आईटीसी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन परेषण करना चाहिए।

(3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए चालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 में भी निर्धारित सूचना चालान के कालम “धनपरेषण और प्राधिकार (यदि कोई हो)

के पूर्ण व्योरे" में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :—

- (क) वित्त मंत्रालय भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की सं. और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं
- (ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि।
- (घ) चुकाए गए व्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए यह गिना गया है।
- (ङ) जमा की गई कुल धनराशि।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संवर्ध देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों की प्रतियों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निक्षेप बैंक आफ इंडिया टोकियो से अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

(4) भारत में सम्बद्ध बैंक आफ इंडिया को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का प्रवर्धन करना चाहिए अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-5 विविध प्रावधान

(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट :

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलदानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलदान होने बाकी हैं उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी. ए. ए. एण्ड ए. आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग संसद मार्ग नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत भाल के आयात से संबंधित किसी ऐसी विशेष शर्त से संभरक को अवगत करायें जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालती हो।

(2) विवाद :

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी बैंक आफ इंडिया टोकियो

द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त साफ-साफ "भुगतान के नियमों" में अनुबन्ध-1 में आयातक द्वारा दर्शाई जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त ठेकें की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

(3) भविष्य अनुदेश :

आयातों या उनके संबंध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित जापान से 1983-84 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आयातों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निवेशों या अनुदेशों या आवेशों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा

(4) अतिक्रमण या उल्लंघन :

उपर्युक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

(5) अनुबंधों की सूची :

अनुबंध-1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र।

अनुबंध-2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का प्रपत्र।

अनुबंध - 1

"भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र"

संख्या

दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,

यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल

पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय - 1983-84 के लिए येन 410 मिलियन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत के परतनों पर उपस्कर के परिवहन के लिए अपेक्षित मछली पकड़ने के जाल बनाने के लिए उपस्कर और मशीनरी एवं सेवाओं की खरीद।

महोदय

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उपर्युक्त उपस्कर के आयात के संबंध में हम आपको निम्न-लिखित व्योरा भेजते हैं। जिससे कि आप सम्बद्ध जापानी संभरक के पत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की सं. दि. और मूल्य और तिथि जध तक यह वैध है।

(ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निश्चित करना है कि क्या संविधा का निर्णय उपर्युक्त तरुनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) माल का उद्गम देश।

(च) संवध का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)

(छ) यदि कोई हो तो, भारतीय रुपये में भारतीय एजेंट के कमोशन की धनराशि (येन में)।

(ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।

(झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविधा का नाम और दिनांक।

(ञ) जापानी संभरक का नाम और पता।

(ट) वे भुगतान और संभावित तिथि जिनको संविदाओं के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।

(ठ) माल की सुदुर्गो पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दशति हुए।)

(ढ) पोतनदान अनुदेश/ अनुमेय या गैर अनुमेय वाहनान्तरण/ आंशिक पोतनदान निश्चित कीजिये।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(त) आयातक द्वारा वक्तव्यदत्ता :— "हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रुपये को पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित किया विधि से और प्रचलित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परीक्षण की सुदुर्गो प्राप्त करने से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेश राष्ट्रों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बोजक अनुमादित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।"

भवदीय

अनुबंध-2

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

सं० एक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय : 1983-84 के लिए येन 410 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान सरकार के पत्तनों पर उपस्कर के पारवहन के लिए अपेक्षित मछली पकड़ने के जाल बनाने के लिए उपस्कर और मशीनरी एवं सेवाओं की खरीद।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ----- को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सर्वश्री -----को ----- येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. रूपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजपूतवास, टोकियो और इस मंत्रालय का पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित लघान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकरी के प्रभार को भजने आदि के लिए भाड़े सहित अदा किए जाने वाले बैंकिंग भड़े आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लघान दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र ----- तक वैध रहेगा।

भवदीय

लेखा अधिकारी

प्रति निम्नलिखित का प्रेषित -

1. आयातक -----को उनके पत्र सं. ----- दिनांक ----- के संदर्भ में। उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकों से परकाम्य दस्तावेजों की मुपुर्दगी लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से रुपये निक्षेप आदि को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिस्थितियों की वजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना सीमा शुल्क प्राधिकारियों और पतन के प्राधिकारियों से माल की मुपुर्दगी सीधे ही प्राप्त कर ली हो, तो वहाँ मुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्व धराराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बोजक अनुमोदित किए जाते हैं वैसे ही धराराशि जमा करवा देनी चाहिए। शीघ्र ही और सही रूप से धराराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंसिंग शर्तों में उल्लिखित कार्यवाही की जाएगी।

2. आयातक का बैंक ----- उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो, ब्रांच में दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकायी गई धराराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8- आई टी सी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना या समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि का यथा प्रबलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। यदि इस दर में कोई परिवर्तन होगा तो इसकी सूचना तुरन्त दी जाएगी। इस बात का गतिशय्य कर लेना चाहिए कि सीमा-शुल्क निकासी के लिए आयातक का दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धराराशि जमा कराई जाती है।

चालान के दाय काने में काउ न 5130000009 दर्शाते हुए ये धराराशिया या ता रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुषंगी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, शाखा, दिल्ली-6 (आदेशिनी और आवाता) के नाम में और उनकी देय दर्शनी टूण्डो के माध्यम से करनी चाहिए। इस अवध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233- आई टी सी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-68 स 132- आई टी सी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71

सं. 74- आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और स. 103-आई टी सी (पीएन)/76 दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिनाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धराराशि जमा की जाएगी वहाँ के डिपोजिट्स एण्ड एडवांसिज-843 सिविल डिपोजिट - डिपोजिट्स फार- परवेजिस एटसेक्स्ट्र एन्नाड परवेजिस ग्राण्ट एंड फ्राम दि गवर्नमेन्ट आफ जापान फार 1983-84 अन्डर डिटेल्ड हैड 410 मिलियन ग्राण्ट एंड फर पर्वेजिस आफ दि इक्विपमेंट एंड मशीनरी फार प्रोड्यूसिंग किशिंग नेटस एंड सविमेज नेमेमरी फार ट्रांसपोर्टिंग आफ इक्विपमेंट टू पोर्ट्स इन इंडिया है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132- आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें चालान की मूल रू में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए प्रेषण पत्रमहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी:-

लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, ए सी ओ बैंक बिल्डिंग,
संभव मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिस मामले में तुल्य रुपया उतर गकित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी टूण्डो द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में ब्याज की चुकाई गई धराराशि और जिस अर्वाध के लिए ब्याज की गणना की गई है और उनके साथ जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा ब्यौर इस विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रवार संभरक के बैंक के प्रभारों सहित बैंक आफ इंडिया टोकियो ब्रांच के बैंक प्रभार यदि कोई हों तो वह आयात करने वाले विभाग की आर में भारत के राजदूतावास टोकियो द्वारा अर्पण किए जाएंगे। इन प्रभागों के समतुल्य रुपये की गणना उपर्युक्त उल्लिखित विधि के अनुसार की जाएगी और उन्हें लेखा नियंत्रक, विदेश मंत्रालय के नाम में जमा करा दिया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए सी ए ए एंड ए विभाग को उपयुक्त परामर्श जारी करेगी।

4 भारतीय दूतावास, टोकियो।

5 अवर सचिव (टी सी) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

आदेश, से
पी. सी. जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 80-ITC(PN)/84-85

New Delhi, the 21st January, 1985

Subject : Licensing Conditions for import of Fish Net making Machines from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 410 Million.

File No. IPC/23(9)/84-85.—The terms and conditions governing imports of fish net making machines from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 410 Million for 1983-84, as given in Appendix to this Public Notice, are notified for information.

Appendix to Ministry of Commerce Public Notice No. 80-ITC(PN)/84-85 dated the 21st January, 1985.

Licensing conditions for purchase of equipment and machinery for producing fishing nets and services necessary for transportation of the products to ports in India and those for internal transportation therein under Japanese Grant Aid for 1983-84 of Yen 410 Million.

Section I. General Conditions :

I. (i) The Japanese Grant Aid for 1983-84 of Yen 410 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for purchase of equipment and machinery for producing fishing nets and services necessary for the transportation thereof to ports in India and those for internal transportation therein by the Deptt. of Agriculture & Cooperation.

(ii) The import licence should be issued for an amount not exceeding Yen 410 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 410 million Japanese Grant Aid for 1983-84". The licence code for the first and second suffix will be "SIJN".

(iii) The equipment and services should be procured only from Japan/India under this Grant Aid. The purchase order should be placed only on the Japanese suppliers.

(iv) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1985.

(v) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1985".

(vi) The contract value (C&F/FOB basis) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(vii) The purchase contract should be entered into only in Japanese Yen with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals.

Section II. The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :

II. (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 30th November, 1984 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 410 million for 1983-84 and will be subject to the approval of both the Governments.

(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1983-84.

(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India Tokyo.

Section III. Contract Approval by Governments of India and Japan.

III. (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (TC), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts in its price.

(ii) The Ministry of Finance (DEA), Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1983-84 of Yen 410 million, an one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs,

Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

(iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo the importer's Bank in India and the CAA&A.

(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for a ranging the payment to the Japanese supplier shall be paid by the Embassy of India, Tokyo on behalf of importing Department. Rupee equivalent of these charges will be paid by the importing Deptt. to the Controller of Accounts, Ministry of External Affairs, New Delhi on receipt of suitable advice from the CAA&A, New Delhi.

Section IV. Responsibility for rupee deposit

IV. (1) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (v) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods the issue of further A/P to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that

no further import licence is issued to such an importer. No interest charges are recoverable in respect of imports made by Central Government Departments. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K—Deposits and Advances 843—Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad—purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1983-84"—Grant for purchase of the equipment and machinery for producing fishing nets and services necessary for the transportation of equipment to ports in India by the Deptt. of Agriculture & Cooperation.

(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76.

(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite 'S' Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V. Miscellaneous provisions :

(i) Reports on the utilization of the Grant Aid

The importer should apprise the supplier of any A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

(ii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

(iii) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1983-84 from Japan.

(iv) Breach or Violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

(v) List of Annexures :

Annexure—I :—Request for issue of A/P

Annexure—II :—Form of A/P

ANNEXURE I

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORIZATION TO PAY"

To

No. :

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject :—Purchase of equipment and machinery for producing fishing nets and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the

Japanese Grant Aid of Yen 410 million for 1983-84.

Sir,

In connection with the import of above-mentioned equipment from Japan under the above-mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian Importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F of the FOB value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F or FOB value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) No. & date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name & address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms & probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/ partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of Importer's bank in India.
- (p) Undertaking by the importer :—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

Yours faithfully,

ANNEXURE—II

No. F.

Government of India
 MINISTRY OF FINANCE
 (Department of Economic Affairs)
 New Delhi, the.....198

To,

The Bank of India,
 Tokyo Branch,
 Tokyo (Japan)

Subject :—Purchase of equipment and machinery for producing fishing nets and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India, from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 410 million for 1983-84. Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated—entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen—to M/s.—as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan. Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including, charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be paid by the Embassy of India, Tokyo.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P. may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto.....

Yours faithfully,

(.....)
 Accounts Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer—with reference to their letter No.—dated—.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to

exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. If the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker—They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Any change in this rate will be intimated if and when made. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the SBI, Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the SBI or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the SBI, Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968. No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-843-CIVIL Deposits-Deposit for purchase etc. abroad- Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1983-84' under detailed head 'Y 410 million grant aid for purchase of the equipment and machinery for producing fishing nets and services necessary for transportation of equipment to ports in India.'

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-71 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

3. The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

Banking charges of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be paid by the Embassy of India, Tokyo, on behalf of the importing Deptt. Rupee equivalent of these charges will be calculated in the above manner and deposited in favour of controller of Accounts, Ministry of External Affairs, New Delhi for this purpose CAA&A will issue suitable advices to the Department.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TC), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports and Exports

